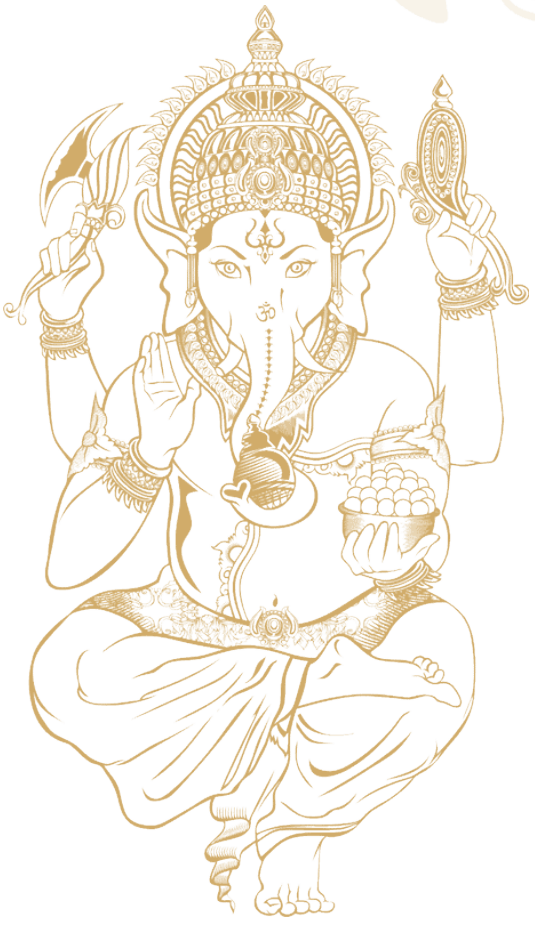

Mr. Shriyank

Ms. Kanchan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121124504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	18/09/1995
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	11:40:55 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	14:24:09 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Damoh
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	23:50:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	79:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:12:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	05:59:10
18:20:20	सूर्यास्त	18:13:08
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:58

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि		25:53:37	सिंह	लग्न	वृश्चि	16:28:30	राहु 5वर्ष 3मा 21दि	
मंगल		09:34:42	मीन	सूर्य	कन्या	01:04:02	शनि	
16/02/2024		18:03:57	धनु	चंद्र	मिथु	16:04:05	08/01/2017	
16/02/2031		19:22:20	कर्क व	मंगल	तुला	13:31:15	09/01/2036	
मंगल	15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	कन्या	25:31:39	शनि	12/01/2020
राहु	02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु	वृश्चि	14:51:36	बुध	21/09/2022
गुरु	09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	कन्या	08:44:50	केतु	31/10/2023
शनि	18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि व	कुंभ	27:15:36	शुक्र	30/12/2026
बुध	14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु व	तुला	03:11:54	सूर्य	12/12/2027
केतु	10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु व	मेष	03:11:54	चन्द्र	12/07/2029
शुक्र	12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष व	मक	02:51:52	मंगल	21/08/2030
सूर्य	18/07/2030	01:25:58	मक	नेप व	धनु	29:03:08	राहु	27/06/2033
चन्द्र	16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	04:28:27	गुरु	09/01/2036

लग्न-चलित

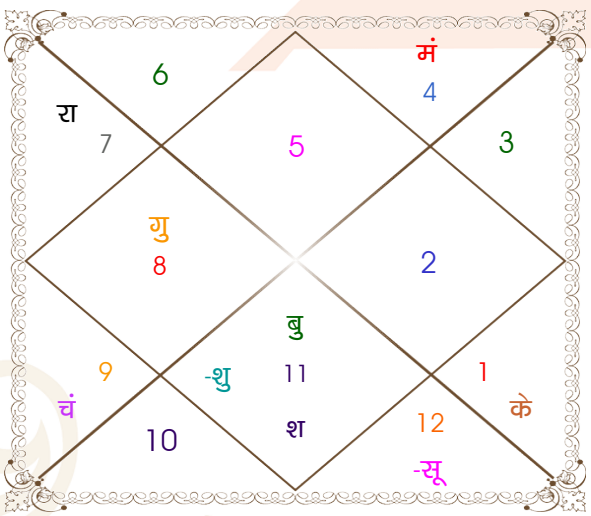

लग्न-चलित

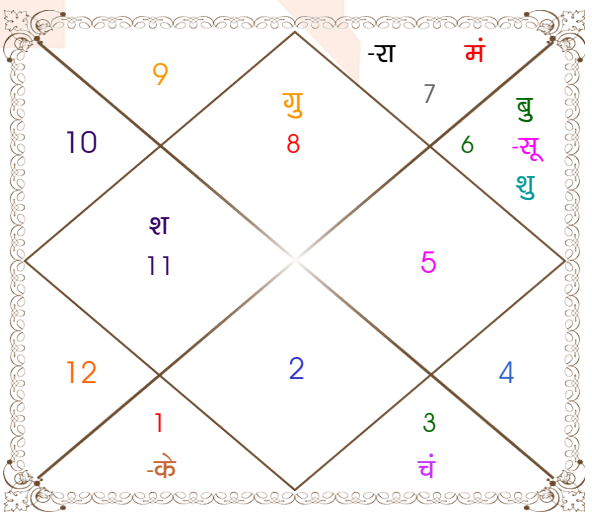

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr. Shriyank का वर्ग सर्प है तथा डेण झंदबींद का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Shriyank और डेण झंदबींद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Shriyank मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण झंदबींद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं

होता है।

क्योंकि मंगल डेण झंदबींद कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण झंदबींद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण झंदबींद कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Shriyank कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Shriyank तथा डेण झंदबींद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।